उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद
U.P. COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

निकट राजकीय उद्यान, करियप्पा मार्ग, आलमबाग, लखनऊ–226005
Near Rajkiya Udhyan, Cariappa Road, Alambagh, Lucknow-226005

पत्रांक: 1677/एनआरएम/डब्लूबीएसएलएएजी/पीएल/2021 दिनॉक: 28–02–2025

दिनांक : 27 फरवरी, 2025
समय : 12:00 बजे
स्थान : उपकार सभाकक्ष
उपस्थिति : संलग्न

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप) की वर्ष 2024-25 की पच्चीसवीं बैठक की कृषकों के उपयोगार्थ संस्तुतियॉं

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2024-25 की पच्चीसवीं बैठक डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में दिनांक 27 फरवरी, 2025 को परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के मौसम वैज्ञानिक, व्हीट ब्रीडर एवं पादप रोग वैज्ञानिक; आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ; कृषि विभाग; वन विभाग के प्रतिनिधि तथा उपकार के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया। उक्त के अतिरिक्त बैठक में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के राईस ब्रीडर; रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी; भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ; बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

आगामी सप्ताह का मौसम पूर्वानुमान (28 फरवरी - 06 मार्च, 2025)

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार इस सप्ताह के आरंभिक चरण में 27 फरवरी से 01 मार्च के दौरान प्रदेश के भाभर तराई, पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी कृषि जलवायु अंचलों में तड़ित झंझावात एवं झोंकेदार हवाओं के साथ कुछ स्थानों पर जबकि उक्त क्षेत्रों से संलग्न दक्षिणी पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी क्षेत्र, मध्य मैदानी क्षेत्र एवं उत्तरी-पूर्वी मैदानी क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान 28 फरवरी एवं 01 मार्च को भाभर तराई, पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी कृषि जलवायु अंचलों में कहीं कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। जबकि शेष दिनों में मौसम मुख्यतया शुष्क रहने की संभावना है। 02 मार्च से प्रदेश में दिन में तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई, पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास; पूर्वी मैदानी, विंध्य क्षेत्र एवं बुंदेलखंड के अधिकांश भाग, उत्तर-पूर्वी मैदानी के दक्षिणी भाग में सामान्य से (2-4 डिग्री से.) अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान सामान्य से आंशिक रूप से (1-2 डिग्री से.) अधिक रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग तथा पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस; भाभर तराई क्षेत्र के पूर्वी भाग तथा पश्चिमी मैदानी एवं मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के शेष भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस; दक्षिणी-पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी एवं उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा मध्य मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक अधिकतम तापमान 28 से 30

डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 30 से 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

प्रदेश के उत्तर-पूर्वी मैदानी एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के पश्चिमी भाग तथा दक्षिणी-पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी क्षेत्र के पूर्वी भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य से (2-3 डिग्री से.) अधिक जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास या सामान्य से आंशिक रूप से (1-2 डिग्री से.) अधिक रहने की संभावना है।

प्रदेश के भाभर तराई क्षेत्र के पश्चिमी भाग एवं पश्चिमी मैदानी क्षेत्र के उत्तरी भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस; उत्तर-पूर्वी मैदानी एवं पूर्वी मैदानी क्षेत्र के अधिकांश भाग तथा मध्य मैदानी क्षेत्र के पूर्वी भाग में औसत साप्ताहिक न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 12 से 14 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

कृषि विभाग, उ.प्र. द्वारा दिनांक 21 फरवरी, 2025 तक उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल जायद की बुवाई का लक्ष्य 14.28 लाख हे. के सापेक्ष कुल जायद फसलों की बुवाई 0.07 लाख हे. में हुई है जो लक्ष्य का 4.97 प्रतिशत है। मक्का के आच्छादन लक्ष्य 4.31 लाख हे. के सापेक्ष 0.03 लाख हे. में बुआई हुई जो लक्ष्य का 6.71 प्रतिशत है। बाजरा के आच्छादन लक्ष्य 1.15 लाख हे. के सापेक्ष 0.0002 लाख हे. में बुआई हुई जो लक्ष्य का 0.02 प्रतिशत है। मूंग के आच्छादन लक्ष्य 2.0 लाख के सापेक्ष 0.007 लाख हे. में बुआई हुई जो लक्ष्य का 0.36 प्रतिशत है। उर्द के लक्ष्य 0.9 लाख हे. के सापेक्ष 0.01 लाख हे. में बुआई हुई जो लक्ष्य का 1.38 प्रतिशत है। सूरजमुखी के लक्ष्य 0.04 लाख हे. के सापेक्ष 0.0001 लाख हे. में बुआई हुई जो लक्ष्य का 0.26 प्रतिशत है। चेना की बुवाई लक्ष्य 0.01 लाख हे. के सापेक्ष 0.0003 लाख हे. में बुवाई हुई है जो लक्ष्य का 2.58 प्रतिशत है। जायद सब्जियों के 2.19 लाख हे. लक्ष्य के सापेक्ष 0.03 लाख हे. में बुवाई हुई जो लक्ष्य का 13.30 प्रतिशत है। मूंगफली के 2.09 लाख हे. लक्ष्य के सापेक्ष 0.008 लाख हे. में बुवाई हुई जो लक्ष्य का 0.40 प्रतिशत है। हरा चारा के 1.24 लाख हे. लक्ष्य के सापेक्ष 0.1 लाख हे. में बुवाई हुई जो लक्ष्य का 8.05 प्रतिशत है।

मौसम के परिप्रेक्ष्य में किसानों को फसल प्रबन्धन हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं:-

- अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के संभावना है अतः कृषक गेहूं के खेतों में नमी बनाये रखने के लिये 10 से 15 दिनों के अंतराल पर निरंतर सिंचाई करते रहें तथा तापमान की तत्कालीन स्थिति के बारे में निरंतर जानकारी लेते रहें।
- तेज हवायें चलने के पूर्वानुमान के दृष्टिगत अधिक सिंचाई से बचें अन्यथा फसल गिर सकती है।
- लालसड़न रोग से संक्रमित गन्ने की किस्म को. 0238 की बुवाई न करें।
- अगेती आलू की खुदाई एवं सरसों की कटाई के बाद खाली हुये खेतों में ग्रीष्मकालीन मक्का, मूंग, उर्द, तिल, मूंगफली एवं सूरजमुखी की बुवाई हेतु खेत की तैयारी करें।
- जायद मक्के की खेती के लिये अनुकूल है अतः इस मौसम में मक्के की खेती पर विशेष ध्यान दें।
- जिन क्षेत्रों में ओलावृष्टि होने की संभावना है वहां पर किसान खड़ी/कट चुकी फसलों के बचाव हेतु उचित प्रबंध करें।
- आम की फसल में भुनगा कीट का प्रकोप दिखाई पड़ने पर इमिडाक्लोप्रिड अथवा क्यूनॉलफॉस 2 मि.ली. को प्रति ली. पानी में घोलकर बनाकर छिड़काव करें।

गेहूँ की खेती

- तापमान बढ़ने की स्थिति में गेहूँ में 0.5-1 प्रतिशत पोटैशियम नाईट्रेट का पर्णीय छिड़काव करें।

- सिंचित व असिंचित दोनों प्रकार के गेहूँ में अनावृत्त कंडुवा व गेरूई रोग का प्रकोप होने पर नियंत्रण हेतु प्रोपीकोनाजोल 25 प्रतिशत ई.सी. की 500 मि.ली. प्रति हे. लगभग 750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- बीज का उत्पादन कर रहे किसान, गेहूँ की बोई गई प्रजाति की शुद्धता बनाये रखने के लिये रोगिंग (अवांछित पौधों को निकाल दें) करें।

दलहनी फसलों की खेती

- दलहनी फसलों में सेमीलूपर कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 5 एस.सी. 500 मि.ली. का 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हे. की दर छिड़काव करें।
- चने के खेत में यदि कटुआ कीट दिखाई दे रहे हों तो स्थान-स्थान पर बर्ड पर्चर लगायें तथा थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई स्थानों पर घास-फूस रखें। प्रातःकाल फूस पर छिपे हुए कटुआ कीटों को इकट्ठा कर समाप्त करें।
- मटर/मसूर में फली छेदक/फली बेधक कीट के प्रकोप होने पर नियंत्रण हेतु फूल एवं फलियां बनते समय 5 फरोमोन ट्रैप और 2 प्रकार प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में लगायें तथा नीम के बीज आर्क (5 प्रतिशत) प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें या इमामैक्टिन बेन्जोएट 5 प्रतिशत एस. जी. का 5 ग्रा. 16 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 प्रतिशत का 200 मि.ली. को 600 ली. पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें।

जायद फसलों की खेती

- जायद में मक्के की बुवाई के लिये मक्का की संकुल किस्मों नवजोत, श्वेता, आजाद उत्तम, कंचन, गौरव व संकर किस्मों दक्कन-115, एम.एम.एच.-133, प्रो-4212, हरे भुट्टे माधुरी, प्रिया शिशु मक्का हेतु बी.एल.-42, प्रकाश, पूसा अगेती संकर मक्का-2 की बुवाई करें।
- उर्द की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु संस्तुत प्रजातियों यथा प्रताप उर्द-1, वल्लभ उर्द-1, आई.पी.यू. 11-2, पंत उर्द-10, आई.पी.यू. 13-1, टाइप-9, नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, उत्तरा, आजाद उर्द-2, व शेखर-2 आदि की बुवाई करें।
- जायद में सूरजमुखी की संकुल किस्मों मॉडर्न, सूर्या व संकर किस्मों के.वी.एस.एच.-1, एस.एच. -3322 व एम.ए.एफ.एच.-17 की बुवाई करें।
- नदी के किनारे बोये जाने वाले खरबूजा की संस्तुत प्रजातियों काशी मधु, पूसा शरबती, पूसा मधुरस, हरा मधु, पंजाब-सुनहरी तथा संकर किस्मों पंजाब संकर की बुवाई करें।
- नदी के किनारे बोये जाने वाले तरबूज की संस्तुत प्रजातियों सूगर बेबी, दुर्गापुर केसर, अर्का मानिक, दुर्गापुर मीठा, संकर किस्मों आर्का ज्योति की बुवाई करें।

गन्ना की खेती

- बसन्तकालीन गन्ने की बुवाई हेतु नवीन उन्नत किस्मों यथा को.शा.-13235, को.लख.-14201, को. -15023, को.शा.-17231, को.शा.-18231, को.लख.-16202, को. शा.-16233, को. शा.-14233, को.-0118 तथा को.लख.-94184 आदि की बुवाई करें।
- बसंतकालीन गन्ना की बुवाई करते समय मृदा उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा 4 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से मृदा में प्रयोग करें।
- बीज गन्ने के उपचार हेतु कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल 0.1 प्रतिशत का प्रयोग करें।
- बसंतकालीन बुवाई हेतु 05 टन प्रति एकड़ की दर से कार्बनिक खाद (गोबर खाद या प्रेसमड) अथवा 72 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 32 कि.ग्रा. फास्फोरस तथा 24 कि.ग्रा. पोटाश एवं 10 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति एकड़ की दर से उर्वरकों का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- आलू की अक्टूबर माह में बोई गई फसल फरवरी माह के अंत तक पक जाती है। अतः खुदाई से 10 दिन पहले आलू की बेल को काट दें, जिससे आलू पक जाय और छिलका मजबूत हो जाय।
- रबी मौसम में बोई गई आलू की फसल की खुदाई का सही समय है किसान भाई आलू की खुदाई करने के उपरांत आलू को कुछ दिन छाया में फेलाकर रख दें ताकि छिलके पूरी तरह से कड़े हो जाय उसके पश्चात शीतगृह में भण्डारित करें।
- जायद मौसम में भिण्डी, लोबिया एवं कद्दूवर्गीय फसलें यथा लौकी, तोरिया, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज तथा अन्य सब्जी फसलों की बुवाई का सही समय है अतः बुवाई करें।
- बैंगन की रोपाई का कार्य पूर्ण करें।
- प्याज एवं लहसुन की निराई गुड़ाई/बैंगनी धब्बा तथा थ्रिप्स कीट के नियंत्रण हेतु जिनेब 2 ग्राम/ली. तथा डाईमेथोएट 1 मि.ली./ली. का छिड़काव करें।
- जायद मौसम में कद्दूवर्गीय फसलों में 48:20:20 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से नाईट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश का बुवाई के समय प्रयोग करें।
- प्राकृतिक खेती करने वाले किसान मुख्यता जो नदी के किनारे खेती करते हैं वह जीवामृत व घन जीवामृत की संस्तुत मात्रा का प्रयोग करें।

बागवानी

- आम की फसल में भुनगा कीट की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत एस.सी. (0.3 मि. ली./ली. पानी) एवं प्रोफेनोफॉस 50 प्रतिशत ई.सी. (1 मि.ली./ली.) पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- आम के पाऊडरी मिल्ड्यू की रोकथाम के लिये डाइनोकैप (कैराथीन) 1 मि.ली. प्रति ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- इस सप्ताह तापमान सामान्य से अधिक होने के दृष्टिगत लीची में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- नींबू में कैंकर की रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्रा./ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- नवीन रोपित बागों में जो पौधे मर गये हो उनके स्थान पर नये पौधे लगायें
- पपीता के तैयार पौधों की रोपाई करें।

पशुपालन

- पशुओं में पी.पी.आर. तथा खुरपका एवं मुंहपका बीमारी (एफ.एम.डी.) का टीकाकरण अवश्य करायें। यह टीकाकरण पशुचिकित्सालयों पर निःशुल्क लगाया जा रहा है।
- पशुओं को अंतः कृमिनाशक एवं बाह्य परजीवीनाशक पशुचिकित्सक की सलाह से आवश्यकता पड़ने पर उपयोग करें।
- पशुओं को केवल हरा चारा न खिलायें उनको 60:40 के अनुपात में सूखा एवं हरा चारा मिलाकर खिलायें।
- कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु सभी कृषक/पशुपालक टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क पर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मत्स्य पालन

- प्राकृतिक आहार की उपलब्धता तालाब में बनाने हेतु प्रति एकड़ प्रत्येक 10 से 15 दिनों के अंतराल पर 15 कि.ग्रा. चूना, 15 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट, 5 कि.ग्रा. मिनरल मिक्सचर एवं 50 कि. ग्रा. सरसों या राई की खली (पानी में फुलाकर) घोलकर तालाब में छिड़काव करना चाहिये।

- मत्स्य बीज उत्पादक कॉमन कार्प की ब्रीडिंग कराने के लिये 15 से 20 दिन पूर्व नर एवं मादा कॉमन कार्प के प्रजनक मछली (ब्रूड) को दो अलग-अलग तालाबों में संचयन कर लें।
- कार्प मछली वाले तालाब में पानी का स्तर 5 से 6 फीट एवं पंगेशियस मछली वाले तालाब में पानी का स्तर न्यूनतम 8 से 10 फीट बनाये रखें। पंगेशियस के तालाबों में प्रतिदिन 10 से 20 प्रतिशत तक पानी का बदलाव ट्यूबवेल के पानी से करें।
- प्रजनक मछली (ब्रूड) ऑरगुल्स को संक्रमण से बचाने हेतु आवश्यकता अनुसार 80 से 100 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से बुटॉक्स या क्लीनर या टिनिक्स का छिड़काव दिन में 10 बजे पूर्वाह्न से 2 बजे अपराह्न के बीच करें।

रेशम पालन

- बसंत शहतूती व्यवसायिक फसल, 2025 बसंत एवं एरी व्यवसायिक फसल का चाकी कीट पालन कार्य प्रगति पर है जिसका कीटाण्ड वितरण दिनांक 6 एवं 7 मार्च, 2025 तक सम्भावित है।
- समस्त कृषकों/कीटपालकों से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने कीटपालन गृह एवं उपकरण के विशुद्धीकरण का कार्य पूर्ण कर चुके होगें, जिनका कार्य अवशेष है वह यथाशीघ्र विशुद्धीकरण का कार्य पूर्ण कर ई-डिस्टिक पोर्टल पर विभागीय यू.आर.एल. *http:sericulture.eservicesup.in* पर पंजीकरण कराते हुये आवश्यक कीटाण्ड मात्रा आरक्षित करा लें। किसी भी प्रकार की असुविधा/जानकारी के लिये दिये गये नम्बर 7388305554 पर सम्पर्क करें।

वानिकी

- नये पौधे के रोपण हेतु 45x45 से.मी. के गड्डे यथाशीघ्र खोद लें।
- पुराने रोपे गये पौधों में निराई गुड़ाई तथा सिंचाई के साथ-साथ मल्चिंग भी कर दें।

क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की अगली बैठक दिनॉक 07 मार्च, 2025 को अपराह्न 12:00 बजे आयोजित की जायेगी।

नोटः- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां वेबसाईट **upcar.up.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं।

- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की बैठक की संस्तुतियां किसान मित्र ए.आई. चैट बॉट **www.kisanmitraup.ai** पर भी उपलब्ध हैं। किसान भाई इस पर भी सवाल पूछ सकते हैं।
- क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की संस्तुतियां कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा एफ.पी.ओ. को प्रेषित की जा रही हैं, इनसे अनुरोध है कि यदि इनके कोई सुझाव हो तो परिषद के ईमेल **upcar12@gmail.com** पर प्रेषित करने का कष्ट करें जिससे आगामी बैठकों में उनके सुझावों पर चर्चा कर संस्तुतियां दी जा सकें।

(संजय सिंह)
महानिदेशक

<u>प्रतिलिपिः उपरोक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।</u>

1. निजी सचिव, माननीय मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, माननीय राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन को माननीय राज्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निजी सचिव, माननीय अध्यक्ष, को माननीय अध्यक्ष जी के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
5. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन को महोदय के सूचनार्थ।

6. प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
7. अपर मुख्य सचिव, उद्यान, उ.प्र. शासन।
8. अपर मुख्य सचिव, पशुपालन, उ.प्र. शासन।
9. अपर मुख्य सचिव, मत्स्य, उ.प्र. शासन।
10. अपर मुख्य सचिव, रेशम, उ.प्र. शासन।
11. अपर मुख्य सचिव, नियोजन योजना भवन, लखनऊ।
12. कुलपति, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर, आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ, बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा, सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
13. गन्ना आयुक्त, गन्ना आयुक्त कार्यालय, 17 न्यू बेरी रोड, गन्ना किसान संस्थान, डालीबाग, लखनऊ।
14. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उ.प्र., केसरबाग, लखनऊ।
15. राहत आयुक्त, उ.प्र. को इस आशय से प्रेषित कि वह ग्राम प्रधान को समूह की संस्तुतियां प्रेषित करेगें।
16. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ. प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ।
17. समस्त जिलाधिकारी, उ.प्र.।
18. निदेशक कृषि, कृषि भवन, लखनऊ।
19. निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ।
20. निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ।
21. निदेशक, राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ।
22. अध्यक्ष, केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ।
23. निदेशक, उ.प्र. गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर।
24. निदेशक, रेशम, रेशम विभाग, गोमती नगर, लखनऊ।
25. निदेशक, मत्स्य, मत्स्य निदेशालय, फैजाबाद रोड, लखनऊ।
26. निदेशक, उद्यान, उद्यान विभाग, लखनऊ।
27. निदेशक, पशुपालन, पशुपालन विभाग, लखनऊ।
28. निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ।
29. प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग, 17 राणा प्रताप मार्ग, नरही, लखनऊ।
30. प्रबन्ध निदेशक, बीज विकास निगम, बादशाहनगर, लखनऊ।
31. निदेशक, सांख्यिकी, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
32. निदेशक प्रसार, च.शे.आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर/ आ.न.दे.कृ. एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या/ सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ/ बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा/ सै. हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
33. निदेशक, दूरदर्शन, लखनऊ।
34. निदेशक, आकाशवाणी, लखनऊ।
35. निदेशक, रिमोट सेन्सिग एप्लीकेशन सेण्टर, सेक्टर जी, जानकीपुरम, कुर्सी रोड, लखनऊ।
36. निदेशक, कृषि मौसम, मौसम केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
37. निदेशक सूचना, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उ.प्र. लखनऊ।
38. अपर कृषि निदेशक(सामान्य), कृषि निदेशालय, कृषि भवन, लखनऊ।
39. अपर कृषि निदेशक, प्रसार, कृषि भवन, लखनऊ।
40. अपर कृषि निदेशक, कृषि रक्षा, कृषि भवन, लखनऊ।

41. संयुक्त कृषि निदेशक, शोध एवं मृदा सर्वेक्षण, कृषि भवन, लखनऊ को किसान कॉल सेंटर के उपयोगार्थ प्रेषित।
42. कृषि विभाग के सभी संयुक्त कृषि निदेशक।
43. कृषि विभाग के सभी उप कृषि निदेशक।
44. समस्त जिला कृषि अधिकारी।
45. प्रदेश के 20 कम्युनिटी रेडियो।
46. समस्त वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, उ.प्र।
47. प्रदेश के 1500 एफ.पी.ओ.
48. किसान मित्र चैट बॉट, कृषि समृद्धि टीम, कृषि विभाग, लखनऊ।
49. बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारी/वैज्ञानिक।
50. निजी सचिव महानिदेशक, उपकार को महानिदेशक महोदय के सूचनार्थ।

27-2-25

(विनोद कुमार तिवारी)
प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव

संलग्नक

मौसम आधारित राज्य स्तरीय कृषि परामर्श समूह (क्राप वेदर वाच ग्रुप) की वर्ष 2024-25 की पच्चीसवीं बैठक दिनांक 27 फरवरी, 2025 की उपस्थिति

1. डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ।
2. डा. संजीव, उप महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ।
3. डा. टी.के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी मौसम विभाग, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, लखनऊ (ऑनलाइन)।
4. डा. सौरभ दीक्षित, राईस ब्रीडर, क्राप रिसर्च स्टेशन, मसौधा, आचार्य, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या (ऑनलाइन)।
5. डा. एस.एन. पाण्डेय, एग्रोमेट्रोलाजिस्ट/नोडल ऑफिसर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर।
6. डा. समीर कुमार विश्वास, प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर श्री अतुल कुमार सिंह, प्रभारी वैज्ञानिक, आंचलिक भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, अमौसी, लखनऊ।
7. डा. सोमवीर सिंह, व्हीट ब्रीडर, सेक्शन ऑफ रबी सीरियल, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
8. डा. प्रिया रंजन कुमार, सह प्राध्यापक (पशुचिकित्सा), बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (ऑनलाइन)।
9. डा. राकेश चौधरी, वैज्ञानिक, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी (ऑनलाइन)।
10. श्री अनुभव सिंह, एस.डी.ओ., वन विभाग, उत्तर प्रदेश।
11. श्री अशोक कुमार, एसटीए-बी, धान्य फसलें, कृषि विभाग, उ.प्र.।
12. श्री पी.के. नायक, एसटीए-ए, धान्य फसलें, कृषि विभाग, उ.प्र.।
13. डा. नेत्रपाल यादव, उद्यान विशेषज्ञ, उद्यान विभाग, लखनऊ।
14. डा. अनुष्का पाण्डेय, प्रोग्राम मैनेजर, क्राप वेदर वॉच ग्रुप, उपकार, लखनऊ।